एम. कॉम

प्रथम सत्र

वाणिज्य में स्नातकोत्तर उपाधि

(एम. कॉम)

प्रथम सत्र

सत्रीय कार्य

2025

जनवरी 2025 तथा जुलाई 2025 प्रवेश सत्र के लिए

प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 1100 68

प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

वाणिज्य में स्नातकोत्तर उपाधि

प्रथम सत्र

सत्रीय कार्य - 2025

प्रिय छात्र/छात्राओं,

जैसा कि कार्यक्रम दर्शिका में स्पष्ट किया गया है, इस कार्यक्रम में आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए एक सत्रीय कार्य करना है। सभी सत्रीय कार्य आपको एक साथ भेजे जा रहे हैं।

अंतिम परीक्षा में सत्रीय कार्य के लिए 30 प्रतिशत अंक निर्धारित हैं। सत्रांत परीक्षा में बैठने योग्य होने के लिए यह आवश्यक है कि समय सूची के अनुसार आप इन सत्रीय कार्यों को पूरा करके भेज दें। सत्रीय कार्य को करने से पहले आपको चाहिए कि कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें, जिसे आपके पास अलग से भेजा गया है।

यह सत्रीय कार्य दो प्रवेश सत्र अर्थात् **(जनवरी 2025 और जुलाई 2025)** के लिए वैध है, इसकी वैधता निम्नलिखित है :–

1. जो **जनवरी 2025** में पंजीकृत है उनकी वैधता **दिसंबर 2025** है।

2. जो **जुलाई 2025** में पंजीकृत है उनकी वैधता **जून 2026** तक है।

यदि आप जून सत्रांत परीक्षा में बैठना चाहते हैं तो इन्हें **15 मार्च** तक अवश्य जमा कर दें। यदि आप दिसम्बर सत्रांत परीक्षा में बैठना चाहते हैं तो आपके लिए आवश्यक है कि आप इन्हें **15 अक्टूबर** तक अध्ययन केंद्र के संयोजक के पास जमा कर दें।

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	**:**	**एम. सी. ओ. -01**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	**:**	**संगठन सिद्धांत और व्यवहार**
स्त्रीय कार्य का कोड	**:**	**एम. सी. ओ. -01/टी. एम. ए./ 2025**
खण्डों की संख्या	**:**	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. क) प्रबंध के कौन – कौन से विभिन्न सिद्धांत हैं ? प्रबंध के विभिन सिद्धांतों को व्यवहार में लेन के संबंध में आधुनिक संगठन विशिष्ट क्लासिकी संगठनो से किस प्रकार से भिन्न हैं ? **(10+10)**

ख) टीम निर्माण क्या है ? टीम निर्माण संबंधी विभिन्न उपागमों की व्याख्या कीजिए। क्या आप मानते हैं कि टीम निर्माण की प्रक्रिया में ये उपागम सहायक हैं?

2. क) संगठनात्मक व्यवहार के व्यक्तिगत परिप्रेक्ष्य, समूह परिप्रेक्ष्य, संगठनात्मक परिप्रेक्ष्य और समाकलनात्मक परिप्रेक्ष्य की व्याख्या कीजिए। **(10+10)**

ख) जॉब डिजाइन के अनेक कारक होते हैं: संगठनात्मक संदर्भ कारक, कार्य कारक, जॉब संदर्भ और विषय कारक और कर्मचारी कारक। इस कथन के संबंध में उदाहरण के साथ विवेचन कीजिए।

3. **निम्नलिखित पर टिप्पणी कीजिए:** **(4X5)**

(क) संगठनात्मक संस्कृति को संगठनात्मक सदस्यों द्वारा साझा की जाने वाली महत्वपूर्ण समझ, जैसे मानदंड, मूल्य, दृष्टिकोण और विश्वास के समूह के रूप में वर्णित किया जाता है।

(ख) संगठन के सिद्धांत एक कुशल संगठन संरचना की योजना बनाने के लिए दिशानिर्देश हैं।

(ग) व्यक्तित्व का विकास विभिन्न चरणों में होता है और इस विकास को अनेक कारक प्रभावित करते हैं।

(घ) जॉब संतुष्टि आंतरिक संवेदन है; यह विभिन्न प्रकार के संगठनात्मक और व्यक्तिगत चरों से प्रभावित होती है।

4. **निम्नलखित के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए:** **(4X5)**

(क) नेतृत्व के विशेषक सिद्धांत और व्यवहारात्मक सिद्धांत

(ख) औपचारिक और अनौपचारिक समूह

(ग) जॉब संवर्धन (Job enrichment) और जॉब विस्तार (Job enlargement)

(घ) एकतंत्रीय या प्राधिकारिक ढंग और लोकतंत्रीय या सहभागी ढंग

5. **निम्नलिखित व्यक्तव्यों की व्याख्या अति संक्षेप में कीजिए:**

(क) संगठनात्मक व्यवहार की उत्पत्ति **(4X5)**

(ख) व्यवहार अभिवृतियों को प्रभावित करते हैं

(ग) अभिप्रेरण के आवश्यकता सोपान सिद्धांत

(घ) कुल गुणवत्ता प्रबंध (TQM) और व्यवसाय प्रक्रिया पुनः इंजीनियरी

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	**:**	**एम. सी. ओ. -04**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	**:**	**व्यवसाय परिवेश**
स्त्रीय कार्य का कोड	**:**	**एम. सी. ओ. -04/टी. एम. ए./ 2025**
खण्डों की संख्या	**:**	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नो के उत्तर दीजिए।

1. व्यावसाय परिवेश के विभिन्न प्रकार क्या हैं ? फर्मों पर व्यावसाय परिवेश के विभिन्न कारको के प्रभाव पर विस्तार से चर्चा कीजिए। **(20)**

2. उचित वेतन और उसका समय पर भुगतान किसी भी व्यावसायिक फर्म में कामगारों की सबसे महत्वपूर्ण चिंताएँ हैं। उपरोक्त कथन के मद्देनजर, भारत में इन पहलुओं को विनियमित करने वाले विभिन्न कानूनों पर चर्चा कीजिए। **(20)**

3. कॉर्पोरेट संचालन की संकल्पना की व्याख्या कीजिए। कॉर्पोरेट संचालन के सामान्य उद्देश्यों पर चर्चा करें, और बताएं कि कॉर्पोरेट संचालन में उत्तरदायित्व परिवेश को सफलता की कुंजी क्यों माना जाता है। **(20)**

4. राजकोषीय नीति और मौद्रिक नीति को परिभाषित कीजिए। अर्थव्यवस्था के लिए इनके उद्देश्य और महत्व पर विस्तार से चर्चा कीजिए। **(20)**

5. बौद्धिक संपदा अधिकारों के व्यापार संबंधी पहलू (ट्रिप्स) क्या हैं? भारतीय अर्थव्यवस्था /उद्योगों पर इसके प्रभाव पर चर्चा कीजिए। **(20)**

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	**:**	**एम. सी. ओ. -05**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	**:**	**प्रबंधकीय निर्णयों के लिए लेखांकन**
स्त्रीय कार्य का कोड	**:**	**एम. सी. ओ. -05/टी. एम. ए./ 2025**
खण्डों की संख्या	**:**	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक :100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. क) लागत निर्धारण की विभिन्न पद्धतियों का वर्णन कीजिए तथा उन उद्योगों का उल्लेख कीजिए जिनमे इनका उपयोग किया जाता है। (10+10)

ख) वित्तीय विवरणों से क्या तात्पर्य हैं? ये निर्णयन के लिए कहाँ तक उपयोगी होते हैं ?

2. निम्नलिखित में अंतर कीजिए: (4x5)

(क) रोकड़ प्रवाह विवरण और कोष प्रवाह विवरण

(ख) लिवरेज अनुपात और गियरिंग अनुपात

(ग) स्थायी तथा लोचदार बजटिंग

(घ) मानक लागत निर्धारण और बजट

3. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियां लिखिए : (4x5)

(क) शून्य आधार बजटिंग

(ख) मास्टर बजट

(ग) पर्यावरण लेखांकन

(घ) सामाजिक लेखांकन

4. A gang of workers normally consists of 60 skilled, 30 semi-skilled and 20 unskilled. They are paid at standard rates per hour as under: (20)

Skilled Re.0.80
Semi-skilled Re.0.60
Unskilled Re.0.40

In a normal working week of 40 hours, the gang is expected to produce 4000 units of output

During the week ended 31 December, the gang consisted of 80 skilled, 20 semi-skilled and 10 unskilled. The actual wages paid were @ Re.0.70, Re.0.65 and Re.0.30 respectively. 3200 units were produced. Four hours were lost due to abnormal idle time.

Calculate
i) Wage variance
ii) Wage Rate Variance
iii) Labour Efficiency Variance
iv) Idle Time Variance

v) Labour Mix Variance
vi) Labour Revised Efficiency Variance
vii) Labour Yield Variance

5. क) विभिन्न प्रबंध स्तर की रिपोर्टिंग आवश्यकताओं का वर्णन कीजिये और यह बताइये कि रिपोर्टिंग प्रणाली इसे कैसे पूरी कर सकती है ? (10+10)

ख) प्रवृत्ति विश्लेषण क्या है ? वित्तीय विवरण की समीक्षा करते समय देखने वाली कुछ प्रवृत्तियों की सूची बनाएं।

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	**:**	**एम. सी. ओ. -021**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	**:**	**प्रबंधकीय अर्थशास्त्र**
स्त्रीय कार्य का कोड	**:**	**एम. सी. ओ. -021/टी. एम. ए./ 2025**
खण्डों की संख्या	**:**	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. कीमत लोच से आप क्या समझते हैं और बताइए कि यह राजस्व से कैसे संबंधित है? कीमत लोच के निर्धारकों के बारे में विस्तार से चर्चा कीजिए। **(20)**

2. बड़े पैमाने की किफ़ायते और अलाभ के बारे में विस्तार से बताइए। इसके अलावा, एक उदाहरण की सहायता से बड़े पैमाने की आंतरिक और बाह्य किफ़ायतो के बीच अंतर कीजिए। **(20)**

3. एकाधिकारवादी और अल्पाधिकारवादी प्रतियोगिता का वर्णन कीजिए। अल्पावधि के साथ-साथ दीर्घावधि में एकाधिकारी प्रतियोगिता के तहत मूल्य निर्धारण निर्णयों की अवधारणा को समझाइए। **(20)**

4. कीमत विभेदन के बारे में चर्चा कीजिए। प्रासंगिक उदाहरण की सहायता से विभिन्न प्रकार के कीमत विभेदन की व्याख्या कीजिए। **(20)**

5. निम्नलिखित पर संक्षिप्त में टिप्पणी लिखिए: **(20)**

क) वृद्धिशील अवधारणा

ख) सम-सीमांत सिद्धांत

ग) अवमूल्यन सिद्धांत

घ) अवसर लागत सिद्धांत